epaper
divyahimachal.com

दिव्य हिमाचल

देवभूमि का अग्रणी समाचारपत्र

धर्मशाला
शनिवार, 11 अप्रैल, 2015
29 चैत्र, 2072
वर्ष 19, अंक 51
पृष्ठ 12+6+4 ₹ 4.50

▪ धर्मशाला ▪ शिमला ▪ चंडीगढ़

हिमाचल को वित्तीय सुधारों की नसीहत

कैग ने सरकार को चेताया; प्रदेश की राजस्व प्राप्तियां हैं कम, बढ़ते जा रहे हैं खर्च

▪ सुनील शर्मा, शिमला

कैग रिपोर्ट-2014

- 33884 करोड़ पहुंच गया है वित्तीय बोझ
- वेतन-भत्तों, पेंशन पर 66 फीसदी खर्च
- ऋण वसूलियों को प्रभावी प्रक्रिया जरूरी
- वैट वसूली पर दो जोर, 235 करोड़ बकाया

शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा में 31 मार्च, 2014 को समाप्त हुए वित्त वर्ष की कैग रिपोर्ट पेश कर दी गई। कैग ने राज्य सरकार को 13वें वित्तायोग की सिफारिशों के अनुरूप वित्तीय स्थिति संभालने की सिफारिशें की हैं। खास यह भी कि विभिन्न महकमे जिस तरह से वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च करने के लिए भाग दौड़ करते हैं, उस पर लगाम लगाने के लिए वित्त विभाग कोई ऐसा प्रबंधन करे, जिससे यह प्रथा रुक सके।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष के अंत तक राजस्व बोझ की दर 33884 करोड़ बताई गई है। जिसमें पिछले वर्षों के मुकाबले 11 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है और राज्य सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले यह दर 41 फीसदी, जबकि राजस्व प्राप्तियों के मुकाबले 216 प्रतिशत आंकी गई है। रिपोर्ट में राज्य सरकार से यह सिफारिश भी की गई है कि ऋण वसूलियों के लिए प्रभावी प्रक्रिया को अपनाया जाना आवश्यक है। घाटे को कम करने के लिए 13वें वित्तायोग की अनुपालना लाजिमी है। इसके लिए गैर कर राजस्व प्राप्तियों में कटौती का प्रस्ताव होना चाहिए।

रिपोर्ट में राज्य की राजस्व प्राप्तियां 15711 करोड़ बताई गई हैं, जिसमें एक फीसदी का इजाफा हुआ है, जबकि राजस्व खर्च पिछले वर्ष के मुकाबले 7.29 फीसदी की दर से बढ़ा है। यानी यह खर्च 1178 करोड़ बढ़ा है। इसी वजह से वित्त वर्ष 2012-13 के मुकाबले राजस्व घाटे की जो दर 576 करोड़ थी, वह अब 1641 करोड़ पहुंच चुकी है। वित्त वर्ष 2013-14 में केंद्र सरकार ने राज्य की विभिन्न एजेंसियों को 1671 करोड़ की रकम जारी की। इसे सीधे राज्य बजट में नहीं डाला गया, मगर राज्य की ऐसी कोई भी एजेंसी नहीं थी, जो इस खर्च की निगरानी कर सके। रिपोर्ट में बताया गया है कि राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए ऋण उठाए जा रहे हैं। वित्त वर्ष 2013-14 में वेतन व भत्तों पर ही कुल राजस्व प्राप्तियों का 48 फीसदी खर्च हो रहा था। कैग ने रिपोर्ट में इस ओर विशेष तवज्जो देने की सलाह दी है। मसलन, वेतन पर इस वर्ष खर्च 367 करोड़ बढ़ा, जबकि पेंशन पर यह खर्च वित्त वर्ष 2009-10 में 1348 करोड़ के

हिमाचल को वित्तीय : पृष्ठ दो पर

सबसे बड़ी चिंता

रिपोर्ट में राज्य की राजस्व प्राप्तियां 15711 करोड़ बताई गई हैं, जिसमें एक फीसदी का इजाफा हुआ है, जबकि राजस्व खर्च पिछले वर्ष के मुकाबले 7.29 फीसदी की दर से बढ़ा है। यानी यह खर्च 1178 करोड़ बढ़ा है।

ब्याज अदायगी भारी

कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2009-10 में ब्याज अदायगियों पर 1956 करोड़ खर्च हुआ, जो 2013-14 में 2481 करोड़ पहुंच गया। इस तरह से यह दर 27 फीसदी के मुकाबले 111 फीसदी बढ़ गई।

पाकिस्तान का गुनाहगा

▪ दिव्य हिमाचल ब्यूरो, नई दिल्ली

मुंबई पर 26/11 को हुए आतं हमले के मास्टरमाईंड जकी-उ रहमान लखवी को पाकिस्तान जेल से रिहा कर दिया गया लाहौर हाई कोर्ट ने अपने आदेश लखवी की हिरासत को गैर-कानू करार देते हुए कहा था कि उसे से तुरंत रिहा किया जाना चाहि बताया गया कि उसे गुरुवार रात रिहा कर दिया गया। लखवी रिहाई पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रि दर्ज कराई है।

केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ ने लखवी को रिहा करने के ला हाई कोर्ट के आदेश पर निरा जताते हुए कहा कि भारत पाकिस्तान से बातचीत करना चा है, लेकिन मौजूदा घटनाक्र

आईपीएल को फिक्सिंग में फंसाने की होगी जांच

▪ दिव्य हिमाचल ब्यूरो, ऊना

केंद्रीय विश्वविद्यालय पर बंद हो

ऊना के सलोह में केंद्रीय विद्यालय का शिलान्यास करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृ

▪ जितेंद्र कंवर, सलोह (ऊना)

हरोली विधानसभा क्षेत्र के त

न्यूनतम ईएमआई ₹1673
85%
7
एसबीआई कार लोन
चलकर आइए, चलाकर ले जाइए
SMS 'CAR' to 567676

सूचना
आस्था
लेना न भूलें
आस्था

'Money, Muscle Power Dominate Today's Politics'

O.P. Rattan
Former MLA, Una

17 भारतीय मछुआरे बंदी

कराची — पाकिस्तान के नौसैनिकों ने अपनी समुद्री सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 17 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया है कि इन मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी तीन नौकाएं जब्त कर ली गईं।

दस डाक्टरों की हत्या

मोसुल — बीते कई महीनों से ईराक के कई शहरों में आतंक का पर्याय बन चुके आईएस का एक और खूनी खेल सामने आया है। सर्जरी से इनकार करने पर आईएस के आतंकियों ने दस डाक्टरों को मौत के घाट उतार दिया है। आतंकियों द्वारा डाक्टरों का कत्ल करती हुई यह तस्वीर देशभर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। वेबसाइट के अनुसार, यह दर्दनाक घटना मोसुल शहर में घटी है।

हत्या का केस दर्ज करने का आदेश

चेन्नई — चित्तूर में 20 लोगों को मुठभेड़ में मारने के मामले में हैदराबाद हाई कोर्ट ने हत्या का केस दर्ज करने का आदेश दिया है।

ऐतिहासिक
सूही मेला
के शुभ अवसर पर
नगर परिषद चंबा
की ओर से
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
अनिता ठाकुर
अध्यक्ष नगर परिषद चंबा